



Essay on Demonetization

Key Points

1. Introduction

- 1) On 8 November 2016, the Hon'ble Prime Minister of India, in a surprise move, announced the **demonetization** of 500 and 1000 currency notes.
- 2) **Rs. 15.44 lakh crore worth of notes stopped being legal tender.**
- 3) As a countermeasure to the rampant corruption and penetration of black money into the economy.

2. Body

- 1) It would curb the rise of tax evasion through black money, land a major hit to forgery operations and would reduce criminal activities like human trafficking, money laundering, terrorist activities, etc.
- 2) Boost to cashless transactions and transparency in economy.
- 3) More liquidity in banks, lower interest rates.
- 4) Many eminent economists said that it would not be effective in curbing black money and termed it a hollow move. Around 99% of cash returned to the banking system.
- 5) Lack of proper planning and sudden announcement has made the situation become chaotic
- 6) Drop in GDP growth and fall in industrial output. Loss of jobs and small businesses.
- 7) Deaths, cash shortage and forgery by bank employees and other businesses.

3. Conclusion

- 1) Although the objectives of demonetization were noble; the process of implementation was sadly not efficient.

- 2) However it gave rise to a Less-Cash economy and resulted in a transparent financial system.
- 3) JAM Trinity – Jan Dhan, Aadhar & Mobile banking got major boost from demonetization.
- 4) This step will transform India from a cash based economy to a less cash economy with more emphasis on Digital transactions.

विमुद्रीकरण पर निबंध

1. Introduction

- 1) 8 नवंबर 2016 को भारत के माननीय प्रधान मंत्री ने आश्चर्यजनक रूप से कदम उठाते हुए 500 और 1000 मुद्रा नोटों के प्रसारण को बंद करने की घोषणा की।
- 2) 15.44 लाख करोड़ के नोट बंद कर दिए ।
- 3) बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और अर्थव्यवस्था में काले धन को समाप्त करने के लिए।

2. Body

- 1) यह काले धन के माध्यम से कर चोरी को रोकने के लिए, जालसाजी के संचालन, मानव तस्करी, मनी लॉन्ड्रिंग, आतंकवादी गतिविधियों आदि जैसे आपराधिक गतिविधियों को कम करेगा।
- 2) अर्थव्यवस्था में कैशलेस लेनदेन और पारदर्शिता को बढ़ावा देना।
- 3) बैंकों में अधिक धन, कम ब्याज दरें इसके परिणाम हैं
- 4) कई प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रीयों ने कहा कि यह काले धन को रोकने में प्रभावी नहीं होगा और यह एक खोखले कदम है।
- 5) करीब 99% नकद बैंकिंग प्रणाली में वापस आ गया।
- 6) उचित योजना का अभाव और अचानक घोषणा ने स्थिति को अराजक बना दिया

- 7) औद्योगिक उत्पादन में गिरावट और जीडीपी में गिरावट , मौत, नकदी की कमी
- 8) नौकरियों की कमी और छोटे व्यवसाय बैंक कर्मचारियों और अन्य व्यवसायों द्वारा जालसाजी।

3. Conclusion

- 1) यद्यपि विमुद्रीकरण के उद्देश्य महान थे; कार्यान्वयन की प्रक्रिया दुर्भाग्य से कुशल नहीं थी।
- 2) हालांकि इसने एक कम-कैश की अर्थव्यवस्था को जन्म दिया और एक पारदर्शी वित्तीय प्रणाली की शुरुआत की।
- 3) जाम ट्रिनिटी - जन धन, आधार और मोबाइल बैंकिंग को विमुद्रीकरण से बड़ा बढ़ावा मिला।
- 4) यह कदम नकदी आधारित अर्थव्यवस्था से भारत को एक कम नकदी अर्थव्यवस्था में बदल देगा।